सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-412
27/09/2016

सात निश्चय की जो भी योजनायें हैं, वह यूनिवर्सल हैं :– मुख्यमंत्री

पटना, 27 सितम्बर 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने हर घर नल का जल एवं शौचालय निर्माण घर का सम्मान निश्चय का अधिवेशन भवन पटना में दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मेरे लिये बहुत ही प्रसन्नता का विषय है कि राज्य सरकार के सात निश्चय में से दो निश्चय पर कार्य प्रारंभ हो रहा है। सात निश्चय में से एक निश्चय को पहले ही कार्यान्वित किया जा चुका है। सरकारी सेवा में महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया जा चुका है। दो निश्चय पर आज कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, हर घर नल का जल एवं शौचालय निर्माण पर कार्य। उन्होंने कहा कि हर घर नल का जल में तीन विभाग कार्य करेंगे। शहरी क्षेत्रों में नगर विकास एवं आवास विभाग तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण इलाको में जल आपूर्ति योजना का कार्यान्वयन लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा ही किया जाता था। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा जल आपूर्ति के लिये कई प्रकार की योजनायें ली गयी थी, जैसे– ओवरहेड टैंक का निर्माण, सौर ऊर्जा संचालित जल आपूर्ति योजना, मिनी जल आपूर्ति योजना। इन योजनाओं के समीक्षा के क्रम में यह बात आई कि जल आपूर्ति की जितनी योजनायें ली गयी है, अगर सबको पूरी कर दी जाय, तब भी 22 से 24 प्रतिशत घरों में ही नल का जल पहुॅच पायेगा। उस वक्त लगा कि हर घर का नल के लिये काम करना चाहिये। पहले की योजनायें तो चालू रहेंगी ही, पानी के गुणवता की योजना अब भी लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने फ्लोराइड प्रभावित मुॅगेर जिला का गॉव खैरा की चर्चा की। उन्होंने कहा कि 2010 में वहॉ गया था और फ्लोराइड का लोगों पर प्रभाव देखा था। लोगों ने मॉग किया कि इसके लिये योजना बनाइये, उसी समय योजना बनायी गयी। वन विभाग से अनुमति नहीं मिलने पर विलम्ब हुआ लेकिन अब काम तेजी से चल रहा है। बताया गया है कि शीघ्र ही पूरा कर लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि गंगा नदी के किनारे का क्षेत्र आर्सेनिक से प्रभावित है तथा खगड़िया एवं उतर–पूर्वी बेल्ट में आयरन की मात्रा ज्यादा पाई जाती है। पानी की गुणवता की योजना लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि हर घर नल का जल निश्चय के तहत लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा पूर्व की ली गयी योजनायें, गुणवता प्रभावित इलाकों में ली गयी योजनायें तथा इन क्षेत्रों में आगे कार्यान्वित की जाने वाली योजनायें एवं जो पंचायत आंशिक रूप से गुणवता से प्रभावित हैं, वैसे पंचायतों के पूरे इलाके में जल आपूर्ति की योजना का कार्यान्वयन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में इस योजना का कार्यान्वयन नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा किया जायेगा तथा गैर गुणवता प्रभावित पंचायतों में पंचायती राज विभाग द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वार्ड स्तर पर जल आपूर्ति योजना का कार्यान्वयन किया जायेगा। वार्ड सदस्य की अध्यक्षता में समिति होगी। पूरे पंचायत में विकेन्द्रित कर योजना लागू की जायेगी। काफी चिन्तन के बाद यह संभव हो सका। उन्होंने कहा कि वार्ड वाइज नल का जल की योजना होगी तो पाइप से पानी पहुॅचाना कठिन नहीं

होगा। उन्होंने कहा कि योजना में तकनिकी सलाह तथा उसकी रख–रखाव एवं देखभाल लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अभियंताओं द्वारा किया जायेगा। योजना का क्रियान्वयन पंचायती राज संस्थाओं द्वारा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि हर आदमी का सपना होता है नल का जल। शहरी क्षेत्रों में बड़ी– बड़ी योजनायें विभाग द्वारा क्रियान्वित किये जायेंगे। छोटी–छोटी योजनायें भी ली जायेगी, जिसे नगर निकाय के माध्यम से कार्यान्वित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है इस योजना का क्रियान्वयन शीघ्रता से हो। जल की गुणवता से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। हर व्यक्ति को 135 लीटर जल की उपलब्धता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि काफी परामर्श के बाद यह योजना बनी। तीन विभागों को जिम्मेवारी दिया गया। सलाना लक्ष्य रखा गया। योजना के कार्यान्वयन पंचायती राज संस्थओं के सहयोग से होगा। योजना के लिये पैसे का इंतजाम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नदी में कूदने पर ही इनसान तैरना सीखता है। आज इस योजना के क्रियान्वयन के लिये तीनों विभाग को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि लोगों का पहले सपना था चापाकल। जब सब जगह चापाकल लगाया गया तो लोगों के मन में इच्छा जगी नल का जल। लोगों की इच्छा बढ़ने लगी। उन्होंने कहा कि चुनाव से पूर्व सात निश्चय का कार्यक्रम तय किया गया था। महागठबंधन के साझा कार्यक्रम का अंग बना सात निश्चय। अब सात निश्चय का क्रियान्वयन होगा। उन्होंने कहा कि हर घर नल का जल शुरू होने के बाद भी सभी सार्वजनिक चापाकलों की मरम्मति तथा देख–रेख पूर्ववत जारी रहेगी। आज कुऑ की हालत खराब हो गयी है। सभी सार्वजनिक कुओं का जीर्णोद्धार किया जायेगा ताकि उसका इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में लगे चापाकलों की मरम्मति एवं देख–रेख की जायेगी।

शौचालय निर्माण, घर का सम्मान निश्चय के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना पर शुरू से जोर दिया जा रहा था। शुरू में केन्द्र सरकार द्वारा सिर्फ बी0पी0एल0 परिवार के लिये शौचालय निर्माण की योजना लागू की गयी थी। उस समय हमने सर्वेक्षण कराया। सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया कि 56 लाख परिवारों के पास शौचालय नहीं है। हमने ए0पी0एल0 परिवारों के लिये शौचालय निर्माण की योजना की शुरूआत की। शौचालय निर्माण के लिये लोहिया स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गयी। केन्द्र सरकार से भी मॉग किया गया कि जिसे बाद में केन्द्र सरकार ने स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान पर वर्ष 2015 में हमने बैठक बुलायी थी। शहरी क्षेत्र में शौचालय निर्माण के लिये लोगों को चार हजार रूपये दिये जाते थे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय निर्माण के लिये बारह हजार रूपये दिये जाते थे। राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया कि शहरी क्षेत्र में शौचालय निर्माण के लिये राज्य सरकार अपनी तरफ से आठ हजार रूपये की सहायता राशि देगी। इस योजना को हमने लागू कर दिया। नगर निकाय द्वारा किये गये सर्वेक्षण के आधार पर लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि बहुत ऐसे घर हैं, जिनके पास शौचालय के लिये जमीन नहीं है, वहॉ पर कलस्टर में शौचालय का निर्माण कराया जायेगा लेकिन एक–एक शौचालय का निर्माण कराकर उसकी जिम्मेवारी एक–एक परिवार को दी जायेगी। उस परिवार का शौचालय रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारी जो भी निश्चय की योजना है, वह यूनिवर्सल है। किसी को वंचित नहीं किया गया है, यह योजना सबके लिये है। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव आने वाले समय में समाज के पुनर्निर्माण में परिलक्षित होगा। उन्होंने कहा कि नब्बे प्रतिशत बीमारी खुले में शौच के कारण होती है। खुले में शौच बंद होने पर कई प्रकार के बीमारियों के शिकार नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि शौचालय नहीं होने से महिलाओं को कितना कष्ट होता है। घर–घर शौचालय का निर्माण होने पर सहुलियत होगी। शौचालय निर्माण में स्वयंसेवी संस्था काम कर रही है। जन चेतना जगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शौचालय

बनाने मात्र से काम नहीं होगा, लोगों में उसका उपयोग करने के लिये जागरूकता लानी होगी। उन्होंने कहा कि अगले चार से पॉच साल में पूरे बिहार में खुले में शौच से मुक्त करने का लक्ष्य है। जैसा माहौल बन रहा है, यह असंभव नहीं लगता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत जल्द ही और निश्चय का कार्यान्वयन होने जा रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि जन सहयोग से यह काम सफल होगा। सबलोगों को मिलकर काम करना है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय का सभी कार्य मजबूती से हो रहा है। इतने ही मजबूती से लोक शिकायत निवारण कानून का क्रियान्वयन हो रहा है, उतने ही मजबूती से शराबबंदी भी होगा। उन्होंने कहा कि शराबबंदी के बाद आज वातावरण कितना अच्छा हो गया है। शराब मुक्त समाज और शौच मुक्त वातावरण होने पर बिहार उदाहरण बनेगा। बिहार के लिये फिर स्काई इज द लिमिट होगी।

जस्टिस काटजू के बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा इतिहास गौरवशाली है। यह वही पाटलिपुत्र है, जहॉ से इतने बड़े क्षेत्र पर शासन चलाया जाता था, जितना बड़ा आज देश का क्षेत्रफल नहीं है। भगवान बुद्ध को इसी धरती पर ज्ञान प्राप्त हुआ था। चन्द्रगुप्त मौर्य, सम्राट अशोक, चाणक्य इसी धरती के थे। आर्यभट्ट भी इसी धरती के थे, जिन्होंने दुनिया को शून्य दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे बिहार के हर इनसान के सम्मान का फिक्र है। सात निश्चय के कार्यान्वयन के बाद गॉव हो या शहर, लोग जरूर स्मार्ट हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि काफी अध्ययन के बाद इन योजनाओं को लागू किया जा रहा है। हम खुले मन से काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इन निश्चय के क्रियान्वयन से बिहार के ग्यारह करोड़ लोगों के मन में आनंद एवं खुशी होगी।

इस अवसर पर पंचायती राज मंत्री श्री कपिलदेव कामत, नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री महेश्वर हजारी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, विकास आयुक्त श्री शिशिर कुमार सिन्हा ने भी सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा हर घर नल का जल निश्चय के तहत लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के 268 करोड़ रूपये की लागत की 580 ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं, नगर विकास विभाग के 519 करोड़ रूपये की योजनायें, जिससे लगभग 4.83 लाख परिवार लाभान्वित होंगे, का उद्घाटन किया गया। साथ ही शौचालय निर्माण, घर का सम्मान निश्चय के तहत नगर विकास एवं आवास विभाग के 168 करोड़ रूपये की लागत से बनी 1.40 लाख व्यक्तिगत शौचालय का शुभारंभ/उद्घाटन किया गया। इसके अलावा नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा हर घर नल का जल एवं शौचालय निर्माण, घर का सम्मान दोनों निश्चय के तहत ली जाने वाली योजनाओं के अनुश्रवण हेतु एक एम0आई0एस0 एप्लिकेशन तथा ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान को समर्पित बेवसाइट तथा योजनाओं के अनुश्रवण हेतु मोबाइल एप्प का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, पंचायती राज विभाग तथा नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर विकास आयुक्त श्री शिशिर कुमार सिन्हा द्वारा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर खान एवं भूतत्व मंत्री श्री मुनेश्वर चौधरी, महापौर पटना नगर निगम श्री अफजल इमाम, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, प्रधान सचिव लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण श्रीमती अंशुली आर्या, प्रधान सचिव नगर विकास एवं आवास श्री चैतन्य प्रसाद, प्रधान सचिव कृषि श्री सुधीर कुमार, प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, सचिव ग्रामीण विकास श्री

अरविन्द कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति एवं अधिकारी उपस्थित थे।

******